- इसका उद्देश्य **सुरक्षित और संरक्षित क्षेत्र प्रभावी एवं न्यायसंगत गवर्नेंस और प्रबंधन के माध्यम से सफल संरक्षण परिणामों के** आकलन हेतु एक वैश्विक मापदंड प्रदान करना है।
- इसका **लक्ष्य** लोगों और प्रकृति के लिए सतत् संरक्षण परिणाम प्रदान करने वाले **प्राकृतिक क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि** करना है।
- IUCN की हरित अथवा ग्रीन सूची में शामिल किए गए स्थलों ने निम्नलिखित के मामले में स्वयं को उत्कृष्ट बनाया है:
  - आदर्श प्रबंधन, न्यायसंगत गवर्नेंस के मामले में, और
  - सफल संरक्षण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के मामले में।
  - वर्तमान में, इस सूची में 16 देशों के 59 स्थलों को शामिल किया जा चुका है। **वर्तमान में कोई भी भारतीय स्थल इस सूची में शामिल नहीं है।**
- **IUCN के हरित सूची मानक** को सुरक्षित और संरक्षित क्षेत्रों में सफल प्रकृति संरक्षण के 4 घटकों में व्यवस्थित किया गया है। इसके आधारभूत घटकों में **सुशासन (Good Governance); बेहतर डिज़ाइन और योजना (Sound Design & Planning)** तथा **प्रभावी प्रबंधन** शामिल हैं।
  - एक साथ, ये सफल संरक्षण परिणामों से संबंधित घटक का समर्थन करते हैं। इस प्रकार ये किसी क्षेत्र के लक्ष्यों और उद्देश्यों के **सफल कार्यान्वयन की पुष्टि** करते हैं।

संबंधित सुर्खियां:

अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपाय" (OECM) स्थल का दर्जा

- **गुरुग्राम के अरावली जैव विविधता पार्क** को भारत का पहला OECM स्थल घोषित किया गया है।
  - अरावली श्रृंखला में स्थित यह **जैव विविधता पार्क पहले एक खनन स्थल था।** अविनियमित उत्खनन के कारण इस स्थल को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा था। बाद में सरकार, लोगों और कॉर्पोरेट संस्थाओं के सहयोग से इस क्षेत्र में फिर से सुधार किया गया।
- OECM दर्जा, उन **समृद्ध जैव विविधता वाले क्षेत्रों को प्रदान किया जाता है,** जो राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों के बाहर होते हैं। यह प्रभावी स्वस्थाने (in-situ) संरक्षण के लिए प्रदान किया जाता है।
- यह दर्जा **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)** द्वारा दिया जाता है।

4.3.2. राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची और आकलन 2006-07 तथा 2017-18" (National Wetland Inventory and Assessment-2006-07 and 2017-18)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दशकीय परिवर्तन एटलस जारी किया गया। इस एटलस का शीर्षक- "राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची और आकलन 2006-07 तथा 2017-18[55]" है।

अन्य संबंधित तथ्य

- इस एटलस को इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (Space Applications Centre: SAC) ने तैयार किया है। इसमें पिछले एक दशक में देश भर की आर्द्रभूमियों में हुए परिवर्तनों को दर्शाया गया है
  - **मूल एटलस को SAC ने वर्ष 2011** में जारी किया था। पिछले कुछ वर्षों के दौरान सभी राज्य सरकारों ने अपनी योजना प्रक्रियाओं में इसका व्यापक रूप से उपयोग किया है।
- **मुख्य निष्कर्ष:**
  - राष्ट्रीय स्तर पर, देश की सभी आर्द्रभूमियों का कुल क्षेत्रफल 15.98 मिलियन हेक्टेयर अनुमानित है। यह **देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 4.86 प्रतिशत** है।
  - आर्द्रभूमि के अलग-अलग प्रकारों में कुल आर्द्रभूमियों का **एक तिहाई से अधिक हिस्सा नदियों (35.2 प्रतिशत) द्वारा कवर** किया गया है। वहीं लगभग अन्य 43 प्रतिशत आर्द्रभूमि क्षेत्र संयुक्त रूप से जलाशयों (17.1 प्रतिशत) द्वारा कवर किया गया है।
  - पिछले एक दशक में आर्द्रभूमि क्षेत्र में अधिकांश वृद्धि **अंतर्देशीय मानव निर्मित (81.5 प्रतिशत) और तटीय कृत्रिम (17.0 प्रतिशत) श्रेणियों में** दर्ज की गयी है।
  - **तटीय प्राकृतिक आर्द्रभूमियों में कमी** आई है। ये अधिकांशतः तटीय मानव निर्मित श्रेणियों में रूपांतरित हो गई हैं।

[55] National Wetland Decadal Change Atlas titled National Wetland Inventory and Assessment-2006-07 and 2017-18